

प्रेषक,  
विनीता कुमार,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,  
निदेशक,  
समाज कल्याण विभाग,  
हल्द्वानी-नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: नवम्बर 28 2007

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या:599/XXII(1)/2007, दिनांक 12 जुलाई 2007 तथा शासनादेश संख्या: 707/XXVII(1)/2007, दिनांक 16 अगस्त 2007 के क्रम में शासनादेश संख्या: 280/XVII(1)-3/07-07(11)/2007, दिनांक 22.8.2007 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक द्वारा समाज कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-15 के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि को "अरबी फारसी मदरसों का आधुनिकीकरण(100प्रतिशत के0स0)'के संचालन हेतु आयोजनागत पक्ष रू0.15,64,000.00(रुपया पन्द्रह लाख चौसठ हजार मात्र) की धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में वित्त विभाग के उक्त शासनादेश एवं निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वतन पर रखे गये धनराशि के सापेक्ष व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशपलों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
3. वर्णित धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित करें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
4. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। मितव्ययिता/अबचनबद्ध की मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त करना सुनिश्चित कर लिया जाय।
5. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

6. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
7. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
8. बी0एम0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
9. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय के "अनुदान संख्या-15 में आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक 2250-अन्य सामाजिक सेवाएँ-00-800-अन्य व्यय-05-अरबी फारसी मदरसों का आधुनिकीकरण (100प्रतिशत के0स0)-00-के मानक मद 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजराहायता" तथा "अन्य व्यय" के नामे डाला जायेगा।
10. यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 संख्या: 373(P)/xxvii(3)/07, दिनांक 21.11.2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनीता कुमार)  
प्रमुख सचिव।

संख्या 1112/XVII(1)-3/06-62(स0क0) 2003, तददिनांक :

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमाऊ, उत्तराखण्ड।
5. निदेशक, समाज कल्याण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी, जनपद-नैनीताल।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. जिलाधिकारी, नैनीताल, उत्तराखण्ड।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल, उत्तराखण्ड।
9. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
10. सचिव, उत्तराखण्ड मुस्लिम एजुकेशन मिशन, देहरादून।
11. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
12. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
13. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
- ✓ 14. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
15. आदेश पंजिका।

आज्ञा से

(धीरेन्द्र सिंह दत्तल)  
उपसचिव।